INTERNATIONAL CONFERENCE ON RESEARCHES IN ENGINEERING, SCIENCE, TECHNOLOGY, MANAGEMENT AND HUMANITIES (ICRESTMH – 2024)

25TH AUGUST, 2024

CERTIFICATE NO : ICRESTMH /2024/C0824817

राजस्थान क्षेत्र में सिंचित एवं असिंचित क्षेत्र में सिंचाई तकनीक का अध्ययन

Dhanna Ram

Research Scholar, Ph. D. in Geography
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore, M.P., India.

सारांश

राजस्थान में सिंचित और असिंचित क्षेत्रों में सिंचाई तकनीकें भौगोलिक परिस्थितियों, जल उपलब्धता और कृषि आवश्यकताओं के आधार पर विकसित की गई हैं। सिंचित क्षेत्रों में मुख्य रूप से नहरों, कुओं, ट्यूबवेल और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों का उपयोग किया जाता है, जिनमें इंदिरा गांधी नहर, चंबल परियोजना और आधुनिक ड्रिप व स्प्रिंकलर तकनीकें प्रमुख हैं। ये तकनीकें जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने में सहायक हैं। वहीं, असिंचित क्षेत्रों में जल की सीमित उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए परंपरागत जल संचयन प्रणालियाँ जैसे जोहड़, खड़ीन, टांका, बावड़ी और वर्षा जल संग्रहण तकनीकों का उपयोग किया जाता है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए सरकार विभिन्न योजनाओं और अनुदानों के माध्यम से आधुनिक सिंचाई प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इन पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों का संतुलित उपयोग जल संकट को कम करने, कृषि उत्पादन बढ़ाने और सतत कृषि विकास को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।